वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 116 | गुरुवार 24 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के साथ देखी चंद्रयान-3 की लैंडिंग

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला भारत पहला देश-युवाओं में अंतरिक्ष विज्ञान के विकास को लेकर राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे मजबूत कदम...

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर बुधवार को चंद्रयान 3 की लाइव लैंडिंग देखी। गहलोत ने कहा कि जब चांद पर पहली बार इंसान उतरा था तब वो इस ऐतिहासिक घटना को लेकर एक छात्र के रूप में बेहद उत्साहित थे। आज हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत, देशवासियों की आशा एवं विश्वास का परिणाम है कि चंद्रयान-3 को दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर इसरो ने एक नया इतिहास रच दिया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धता के लिए गहलोत ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी। गहलोत ने कहा कि चंद्रयान-3 चंद्रमा की सतह पर उतरने का भारत का दूसरा प्रयास है। आज दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के साथ ही भारत ऐसा करने वाला पहला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि 22 अक्टूबर 2008 को चंद्रयान-1 मिशन के रूप में भारत का चंद्रमा के लिए पहला मिशन लॉन्च हुआ था जोकि 2009 में सफल मिशन के रूप में समाप्त हुआ था। 2019 में चंद्रयान-2 मिशन लॉन्च किया गया था परन्तु तकनीकी कारणों से लैंडिंग से महज कुछ मिनट पहले इसका संपर्क टूट गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को वर्ष 1962 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने डॉ. विक्रम ए. साराभाई की सलाह पर भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) के नाम से स्थापित किया था। 15 अगस्त, 1969 को इंदिरा गांधी के कार्यकाल में इस संगठन को मजबूत करते हुए इसका नाम इसरो किया गया। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं में खगोलीय और अंतरिक्ष विज्ञान के विकास को लेकर वैज्ञानिक समझ को विकसित करने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। जयपुर का जंतर मंतर प्राचीन भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान का प्रतीक है जो खगोल विज्ञान को लेकर प्रदेशवासियों के उत्साह और जिज्ञासा को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 1500 राजकीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए साइंस एंड स्पेस क्लब खोले जा रहे हैं। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए नासा के सहयोग से एस्टरॉइड खोज अभियान भी संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल प्लेनेटोरियम, डिस्प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान केन्द्र, उच्च स्तरीय रिजोल्यूशन के टेलीस्कोप, साइंस पार्क के विकास सहित विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं।

चिकित्सा क्षेत्र में मुख्यमंत्री की सौगातें: चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का मजबूत ढांचा तैयार

राजस्थान के चिकित्सा मॉडल को अपनाए केंद्र सरकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को 887 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेजों से सम्बंधित चिकित्सा संस्थानों के 32 कार्यों एवं 3 नर्सिंग कॉलेजों के भवनों का शिलान्यास किया। साथ ही, 379 करोड़ रुपए के 36 कार्यों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने 7.15 करोड़ रुपए लागत से तैयार 6 मोबाइल कैंसर निदान वैन को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सक्सेस स्टोरीज की पुस्तिका, कैंसर जागरूकता पोस्टर/पेम्पलेट का विमोचन किया गया है। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर 1266 करोड़ रुपए के 68 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप गांवों-कस्बों तक उत्कृष्ट चिकित्सकीय सुविधाएं पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के चिकित्सा मॉडल को पूरे देश में सराहा जा रहा है। स्वास्थ्य का अधिकार, 25 लाख रुपए तक निःशुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित निःशुल्क दवाईयां और जांच सुविधा में राजस्थान देश का एकमात्र राज्य बन गया है। चिरंजीवी योजना में 50 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है। प्रतिदिन 1.50 लाख जांच निःशुल्क की जा रही है। प्रदेश में एमआरआई, सी.टी स्केन जैसी महंगी जांचों के साथ-साथ हार्ट, लीवर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट जैसा महंगा इलाज भी निःशुल्क करवाया जा रहा है।

"वरिष्ठजनों के साथ दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा धार्मिक यात्रा"

जयपुर. शाबाश इंडिया। दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक दिवसीय धार्मिक यात्रा 'आशीर्वाद' का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड 64 ग्रेटर पार्षद राजू अग्रवालऔर संगम सामाजिक विकास संस्था ने अपना सहयोग देकर यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग 50 लोगों के साथ ए सी बस द्वारा सालासर बालाजी,सालासर गौशाला एवम खाटू श्याम जी दर्शन कराए गए। यात्रा की शुरूआत दया दृष्टि फाउंडेशन के प्रमुख संरक्षक व क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल गुप्ताऔर वार्ड 64 के पार्षद राजू अग्रवाल द्वारा फ्लैग ऑफ करके की गई। सालासर बालाजी मंदिर दर्शन और भोजन प्रसादी के बाद श्री रवि शंकर पुजारी जी द्वारा संचालित गौशाला में गौ सेवा व गौ पूजा करवाई गई।और वहां से निकलकर खाटू श्याम बाबा के दर्शन करके सभी पूर्व निश्चित समय पर जयपुर पहुंच गए। सभी ने यात्रा का भरपूर आनंद लिया। पूरा रास्ता भजन, डांस, पौष्टिक खाना पीना के रहते सुबह 7 बजे से रात 9.30 बजे तक का समय कैसे बीता पता ही नही चला। दया दृष्टि फाउंडेशन की फाउंडर डायरेक्टर्स पूनम खंगारोत, शिखा शर्मा व अलका चौधरी ने संस्था के आगामी कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराया।कार्यक्रम के मुख्य कॉर्डिनेटर नटवर लाल शर्मा, कॉर्डिनेटर आर के शर्मा व शंकर सिंह खंगारोत ने सभी व्यवस्थाओं को बखूबी संभाले रखा। संगम सामाजिक विकास संस्था की ममता बेनीवाल व हरेंद्र सिंह ने सभी को धन्यवाद दिया।

विवेक विहार जैन मंदिर में पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व महोत्सव के रूप में मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व महोत्सव के रूप में विवेक विहार जैन मंदिर में मनाया गया। समाज के सहसचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि प्रातः काल 6:00 बजे भगवान पारसनाथ का स्वर्ण एवं रजत कलशो से कलशाभिषेक किया गया। इसके बाद में कल्याण मंदिर विधान पूजन एवं पारसनाथ भगवान का पूजन कर निवार्ण लड्डू चढ़ाया गया । भगवान के अभिषेक शांति धारा एवं निर्वाण लड्डू का सौभाग्य मनोज कासलीवाल, नीरज ठौलिया, सुबोध पहाड़िया, आयुष पाटनी, पारसमल जैन, जय कुमार निगौतिया परिवार को मिला। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस ,सेक्रेटरी सुरेंद्र पाटनी, सहमंत्री दीपक सेठी, पारसमल छाबड़ा, पंकज रारा, अनिल पाटनी,आशीष शाह, अरुण रावकां,भागचंद पाटनी, विकास काला, शशी जैन, मैना कासलीवाल, राजमती पाटनी, पूर्व पार्षद मोनिका जैन, शौभा कासलीवाल, निवेदिता पाटनी, एवं समाज के सदस्यगण उपस्थित रहे।

भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर विज्ञातीर्थ पर चढ़ाया गया 23 किलो का निर्वाण लड्डू

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

23 वें तीर्थेश भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्षकल्याणक के शुभ अवसर पर श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में 23 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में अभिषेक, वृहद शान्तिधारा, पूजन, जाप का आयोजन हुआ । प्रभु भक्तों ने 1 - 1 किलो के 23 लड्डू समर्पित किये। 23 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य विनोद मोटुका वाले , महावीर पहाड़ी वालों को प्राप्त हुआ। इसी अवसर पर रमेशचंद किशनगढ़ एवं कैलाशचंद दिल्ली वालों ने शांति विधान रचाकर शांति प्रभु की आराधना की। गुरु माँ ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि - जीवन में जहाँ पापों का निर्माण बंद हो गया वही निर्वाण का प्रारम्भ है। क्रोध, मान, माया, लोभ रूपी बाणों से रहित होना ही निर्वाण कल्याणक है। भगवान पार्श्वनाथ जी ने समता रूपी सशक्त विद्या के बल से पाप कर्मों का ध्वंस कर निर्वाण को प्राप्त किया । उसी मोक्ष की आराधना व भक्ति करके हम अपने जीवन में ऊंचाईयों को प्राप्त कर मुक्ति को प्राप्त कर सकते हैं ।

त्रिवेणी नगर में भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में बुधवार को भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक (मोक्ष सप्तमी) पर्व भक्ति भाव से मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र काला ने बताया कि जयकारों के बीच प्रथम कलश व शांतिधारा का सौभाग्य महावीर, भरत कासलीवाल व कैलाश रौनक सौगानी परिवार को प्राप्त हुआ। ततपश्चात पार्श्वनाथ भगवान का जयकारों के बीच निर्वाण का लड्डू समर्पित किया व अष्टद्रव्य से विशेष पूजा अर्चना हुई । शाम को विशेष आरती हुई । इस अवसर पर मंत्री रजनीश अजमेरा, राकेश छाबड़ा, अशोक पाटौदी, विनोद जैन, अशोक पापड़ीवाल, लोकेश जैन, प्रशान्त अजमेरा, राजेश जैन, राजकुमार जैन, सुशील जैन, पुष्पेन्द्र अजमेरा,कमल चाँदवाड, अजय- विजय पांड्या, सुनील लुहाड़िया, विनोद अजमेरा,अमित काला,अंकुर पाटोदी, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती संतोष सौगाणी व मंत्री शिमला पापड़ीवाल, बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, प्रेम लता काला, साधना छाबड़ा, मैना पाटनी, मोनिका कासलीवाल सहित समाज बंधु भी उपस्थित थे ।

दुर्गापुरा में भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में आज श्रावण शुक्ला सप्तमी बुधवार, 23 अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांतिधारा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। मोक्ष सप्तमी का उपवास करने वाली बच्चियों की सामूहिक पूजा बड़े भक्ति भाव से श्रीमती चंदा सेठी एवं श्रीमती रिंकू सेठी ने सम्पन्न करायी। बच्चियों को पूजा के दौरान अजित शास्त्री ने इस व्रत का महत्व बताया तथा आज क्रोध न करने का नियम दिलाया।

वेद ज्ञान

सौभाग्य और दुर्भाग्य

सौभाग्य का सुख और दुर्भाग्य का दुख जीवन के दो पहलू हैं। जीवन इन्हीं दो पहियों से गति करता है। सौभाग्य का तात्पर्य है-विगत समय में किए गए सत्कर्मों का परिणाम और दुर्भाग्य का अर्थ है-बीते काल के सभी दुष्कर्मों की परिणति। सौभाग्य सूर्योदय की अरुणिम आभा के समान उदित होता है जो पक्षियों के कलरव के समान मंद-मधुर संगीत के सुरों से झंकृत होता है, परंतु दुर्भाग्य अस्ताचलगामी सूर्य के सदृश्य होता है जो देखते-देखते आसमान में विलीन होकर कालिमा की मोटी चादर ओढ़ा जाता है। सौभाग्य के आगमन में आहट होती है, परंतु दुर्भाग्य दबे पैर चला आता है। जब कुछ अच्छा घटने वाला होता है तो उसकी पूर्व सूचना मिल जाती है। मन में खुशी की तरंग फैल जाती है, एक नई ताजगी का अहसास होता है, हृदय पुलकित होने लगता है, भावनाओं में अनेक रंग घुलने लगते हैं। यह सब सौभाग्य अर्थात निकट भविष्य में कुछ शुभ होने का संकेत होता है, परंतु दुर्भाग्य का फंदा कब गले पड़ जाता है, पता ही नहीं चलता और जब पता चलता है तब गले में फंदा पड़ चुका होता है। दुर्भाग्य का उदय और इसके बाद उसका परिदृश्य दोनों ही भीषण होते हैं। दुर्भाग्य पूर्व सूचना और पूर्व संकेत दिए बगैर आता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि विगत कर्मों की परिणति को भोगना जो है। अगर यह भी आहट देकर आए तो फिर व्यक्ति सजग-सतर्क नहीं हो सकेगा। सामान्य जन सौभाग्य के राग-रंग में इतने मदमस्त हो जाते हैं कि यह सब कब हो जाता है पता नहीं चलता। सौभाग्य के पल में लगता है कि ऐसा सुंदर और मनभावन पल कभी खत्म नहीं होगा। जीवन इसी तरह ही गुजर जाएगा, इसी बीच दुर्भाग्य की काली रेखाएं जब चुपके से बांधने लगती हैं तो लगता है कि एकाएक यह क्या हो गया। जीवन को आर-पार देखने वाले पारदर्शी महापुरुष कभी भी चैन की नींद नहीं सोते। उनके जीवन में सौभाग्य काल आता अवश्य है, परंतु वे इसमें मदमस्त नहीं होते। इस काल को वे गहन तपस्या और सेवा आदि उत्कृष्ट कार्यों में लगाते हैं, क्योंकि उन्हें पता रहता है कि सौभाग्य की आड़ में दुर्भाग्य झांकता रहता है और वह जीवन में दाखिल होकर कभी भी दखल दे सकता है।

संपादकीय

अब महंगाई में प्याज का तड़का

महंगाई की वजह से पहले ही आम लोगों के सामने कई तरह की चुनौतियां खड़ी हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल की चीजों की कीमतें इस कदर बेलगाम हुई हैं कि उनके उपभोग पर इसका साफ असर देखा जा रहा है। पिछले कुछ समय से महंगाई की वजह से टमाटर बहुत सारे लोगों की पहुंच से दूर हो चुका है। अब इस कड़ी में प्याज की कीमतों ने इस चिंता को नए सिरे से गहरा कर दिया है कि क्या लगातार महंगाई की मार से जूझते लोगों को फिलहाल कोई राहत नहीं मिलने जा रही! गौरतलब है कि बाजार में प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के मद्देनजर उसे नियंत्रित रखने के मकसद से केंद्र सरकार ने निर्यात पर इकतीस दिसंबर तक के लिए चालीस फीसद शुल्क लगा दिया था। जाहिर है, सरकार की मंशा खुले बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ा कर उसकी कीमतों को आम लोगों की

पहुंच में बनाए रखने की थी। मगर निर्यात पर शुल्क लगाने के केंद्र के फैसले के विरोध में महाराष्ट्र के नासिक और अहमदनगर सहित कई इलाकों में किसानों ने थोक बाजार में रविवार को प्याज की बिक्री रोक दी। यानी सरकार के जिस कदम को प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उठाया गया माना जा रहा था, उसके बाद किसानों ने जो घोषणा की, उसकी वजह से कीमतें शायद और बेलगाम होंगी। दरअसल, हाल के दिनों में प्याज के दाम में अचानक तेजी ने बहुत सारे लोगों को इसकी पहुंच से दूर कर दिया है। कुछ रोज पहले बीस-पच्चीस रुपए किलो बिक रहा प्याज फिलहाल पचास रुपए प्रति किलो के आसपास पहुंच चुका है। इसी स्थिति को भांप कर सरकार ने इस पर लगाम लगाने के लिए निर्यात शुल्क में इजाफा कर दिया। मगर इस कदम को किसानों के हित के विरुद्ध माना जा रहा है, क्योंकि महाराष्ट्र के किसान इस बार प्याज के निर्यात से कुछ मुनाफे की उम्मीद कर रहे थे। अब चूंकि शुल्क में इजाफे के बाद निर्यात में गिरावट की स्थिति में स्थानीय थोक बाजार में भी व्यापारी इसकी कीमतें कम बताएंगे, तो इसका खमियाजा किसानों को उठाना पड़ेगा। सवाल है कि यह कैसे सुनिश्चित होगा कि एक ओर प्याज उत्पादक किसानों को भी कोई नुकसान न हो और दूसरी ओर आम लोगों को कम कीमत पर प्याज मिल सके। गौरतलब है कि प्याज की नई फसल आमतौर पर अप्रैल-मई में आती है और उसके बाद इसकी कीमतों में नरमी आती है। मगर फिलहाल अलग-अलग क्षेत्रों के थोक और खुदरा बाजार में किल्लत की वजह से दिल्ली, असम, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की थोक मंडियों में दो हजार टन अतिरिक्त प्याज बेचा जा चुका है। यों प्याज के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष पर रहा है। सन 2021 में भारत में 26.6 लाख मिट्रिक टन प्याज का उत्पादन हुआ था। तब 24.2 लाख मिट्रिक टन के साथ चीन दूसरे नंबर पर रहा था। विडंबना है कि किसानों को आमतौर पर अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भ्रष्टाचार...

भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें इस कदर मजबूत होती गई हैं कि उन्हें काटना शायद सरकारों के वश की बात नहीं रह गई है। हर चुनाव में भ्रष्टाचार प्रमुख मुद्दा होता है। जो भी सरकार बनती है वह बढ़-चढ़ कर भ्रष्टाचार समाप्त करने के दावे करती है। मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष दुनिया के पैमाने पर भारत में भ्रष्टाचार कुछ बढ़ा हुआ ही दर्ज होता या अपने पुराने पायदान के आसपास मौजूद दिखाई देता है। मौजूदा केंद्र सरकार के अहम वादों और प्रयासों में भ्रष्टाचार समाप्त करना सबसे ऊपर रहा है। मगर पिछले कुछ समय से जिस तरह नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और दूसरी जांचों की रपटें आ रही हैं, उन्हें देखते हुए स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार पर काबू पाना इस सरकार के लिए भी चुनौती रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग यानी सीवीसी की ताजा रपट के मुताबिक पिछले वर्ष केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में एक लाख पंद्रह हजार से अधिक अधिकारियों के खिलाफ अनियमितता की शिकायतें दर्ज हुईं। सबसे अधिक शिकायतें गृह मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गईं। उनमें से करीब आधी शिकायतों का निपटारा हो गया, मगर बाकी अब तक लंबित हैं। उनमें से भी करीब दो तिहाई मामलों का निपटारा तीन महीने से अधिक समय से लंबित है। जबकि नियम के मुताबिक सीवीसी को ऐसी शिकायतों का निपटारा तीन महीने के भीतर कर देना होता है। अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अनियमितता की शिकायतों के निपटारे में देरी एक अलग मुद्दा है, चिंता की बात यह है कि जिस मंत्रालय पर कानून-व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी है, उसी में भ्रष्टाचार की शिकायतें सबसे अधिक दर्ज हुईं। मौजूदा सरकार का पहले कार्यकाल से ही वादा था कि शून्य भ्रष्टाचार वाली व्यवस्था लागू करनी है। मगर जब केवल केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में एक लाख पंद्रह लाख से ऊपर भ्रष्टाचार की शिकायतें एक वर्ष में दर्ज हुईं, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि निचले स्तर पर इसकी क्या स्थिति होगी। जब केंद्र सरकार खुद अपने महत्त्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवहार के लिए अनुशासित नहीं कर पाया, तो आखिर उसकी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो मामले निपटा दिए गए, उसका यह अर्थ नहीं कि उनमें भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं था। इतनी बड़ी संख्या में अनियमितता की शिकायतें मिलना ही अपने आप में इस बात का संकेत है कि सरकार की नाक के नीचे भ्रष्टाचार चल रहा था। इस मामले में राज्य और जिला, तहसील स्तर की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी विभागों में छोटा से छोटा काम भी बिना रिश्वत के करा लेना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकारों ने इस पर अंकुश लगाने के लिए डिजिटल प्रणाली से पंजीकरण, लेन-देन आदि की व्यवस्था कर रखी है, मगर उसके समांतर अधिकारियों-कर्मचारियों ने रिश्वत और कमीशन का अपना रास्ता निकाल रखा है। तहसील और जिला कार्यालयों में तो कई जगह हर काम की दरें तक अघोषित रूप से तय होती हैं। ऐसे में आम लोगों में यह धारणा दृढ़ होती गई है कि कोई भी सरकारी काम बिना रिश्वत के हो ही नहीं सकता। ठेकों आदि में भारी कमीशन की शिकायतें अक्सर सुनने को मिल जाती हैं। अगर सचमुच केंद्र सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने को लेकर गंभीर होती, तो इतने बड़े पैमाने पर उसके अधिकारी-कर्मचारी अनियमितता की हिम्मत शायद न जुटा पाते।

पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया, जयकारों के साथ निर्वाण लड्डू चढ़ाया

राजेश जैन 'अरिहंत'. शाबाश इंडिया

टोंक। जिले भर में बुधवार को मोक्ष सप्तमी के पावन अवसर पर पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया । श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्याम बाबा माणक चौक पुरानी टोंक में दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया । राजेश अरिहंत ने बताया कि पार्श्वनाथ मंदिर में प्रातः भगवान का अभिषेक,शांतिधारा के पश्चात नित्य नियम पूजा, भगवान पार्श्वनाथ की पूजा, णमोकार पूजा, नव देवता पूजा, 24 तीर्थंकर की पूजा की गई निर्वाण कांड का वाचन करते हुए जयकारों के बीच भगवान पार्श्वनाथ को सामूहिक रूप से विनोद गुड्डू मिलापचंद मनोज अशोक राकेश चेतन अजय शिखर पारस कमल आदि ने निर्वाण लड्डू चढ़ाया। मंदिर समिति के मंत्री पदम कासलीवाल ने बताया कि उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी भगवान को लड्डू, श्रीफल ,चावल ,बादाम ,लोंग सहित अष्ट द्रव्य चढ़ाए श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाए भगवान पार्श्वनाथ की वेदी चौबीस भगवान की वेदी जिनवाणी माता क्षेत्रपाल जी सरस्वती भंडार एवं निर्माणधीन नवीन मंदिर में भी लड्डू चढ़ाए गए । इस अवसर पर कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष रतनलाल सोगानी,कोषाध्यक्ष इंद्रमल बाकलीवाल, अनिल, सिद्धार्थ, जितेश ,संजय ,पदम, कमल, ओमप्रकाश, विनोद ,रीटा, मधु, प्रेमलता, बीना, संजू, पिंकी, आशा, इंदिरा, उर्मिला, सुमन, शीला, सीमा, सुनीता, रीना सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। विनोद बाकलीवाल ने बताया कि सायंकाल मंदिर जी में भगवान पार्श्वनाथ की 48 दीपको से महाआरती एवं भक्तामर का पाठ णमोकार महामंत्र का जाप एवं स्वाध्याय का वाचन किया गया। अजय सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन नसिया श्याम बाबा चतुर्भुज तालाब के पास में भी प्रातः भगवान का अभिषेक शांतिधारा नित्य नियम पूजा के पश्चात निर्वाण कांड का वाचन करते हुए सामूहिक रूप से लड्डू चढ़ाया गया ।

23वें तीर्थंकर 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण पर्व पर जैन मंदिर एसएफएस में निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। 23वें तीर्थंकर 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण पर्व पर जैन मंदिर एसएफएस में निर्वाण लाडू चढ़ाया। महामंत्री सोभाग मल जैन ने बताया कि प्रातः 6:30 बजे नित्य नियम अभिषेक, 7:30 शांति धारा विनोद किरण दीपेश अनाया झं'झरी परिवार; राजेंद्र मंजू अभिषेक प्रियंका जैन नैनवा वाले परिवार के द्वारा की गई। तत्पश्चात सामूहिक भगवान पारसनाथ की बड़े धूमधाम से कमल टोंग्या व लालचंद झं'झरी के द्वारा पूजन करवाई गई ' 8:30 बजे वेदी पर सामूहिक लड्डू चढ़ाया गया। मंदिर अध्यक्ष डॉक्टर राजेश काला ने बताया कि लड्डू की व्यवस्था मंदिर जी में की गई थी। लड्डू व्यवस्था में ताराचंद ललिता गिरिराज नगर, कैलाश चंद सुशीला नवीन जैन, श्रीमती ममता हितेश मांगियावास परिवार ने सहयोग प्रदान कर लड्डू चढ़ावाया। महामंत्री सौभाग मल जैन ने इस अवसर पर पधारे हुए सभी श्रद्धालुओं का और सभी सहयोगकर्ताओं का स्वागत और आभार व्यक्त किया । सायंकाल 7:00 बजे सामूहिक आरती महिला मंडल और युवा मंडल के द्वारा की गई।

निवाई मे गाजे बाजे के साथ भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण लाडू चढ़ाया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में शांतिनाथ भवन पर भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें सोधर्म इंद्र हेमचंद जैन ने भक्ति भाव से मण्डल जी पर 130 श्री फल अर्ध्य चढ़ाया। पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलश की स्थापना करवाई। चातुर्मास कमेटी के प्रचार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि विधान के तहत गाजेबाजे के साथ बिचला जैन मंदिर में निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य राजकुमार मीनाक्षी जैन संधी को मिला एवं अग्रवाल जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य नेमीचंद संजय कुमार जैन सिरस को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, प्रेमचंद सोगानी, पदम टोंग्या, त्रिलोक रजवास,महावीर प्रसाद छाबड़ा, विमल सोगानी, अशोक बिलाला, मुकेश बनेठा, शिवराज जैन, नरेश सोगानी, पदम पराणा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। इस दौरान जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। इसी तरह अग्रवाल जैन मंदिर में नसियां जैन मंदिर में बडा.जैन मंदिर सहित निवाई शहर में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया।

मुहाना मंडी जैन मंदिर में तीर्थंकर पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर 23 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मोहनपुरा, मुहाना मंडी के अतिशयकारी चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पार्श्वनाथ भगवान का ऐतिहासिक मोक्ष कल्याणक कार्यक्रम महामना महातपशिरोमणी देवश्रमण 108 आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी ससंघ एवं ऊजार्वान भट्टारक श्री देवेंद्र विजय जी स्वामी के आशीर्वाद से दिनांक 23 अगस्त 2023 बुधवार सावन शुक्ल सप्तमी को आनंदमय भक्ति भाव से सामुहिक रूप से सम्पन्न हुआ। दिगंबर जैन समाज पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना, मुहाना मंडी के आसपास की कालोनियों में रहने वाले सभी श्रेष्ठीजन के सानिध्य में 300 वर्ष प्राचीन अतिशयकारी चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर्व पर पंचामृत अभिषेक, शान्ति धारा करने का सोभाग्य कमल पाटनी एवं अमिताभ भारिल्ल को मिला । पवन गोदीका अध्यक्ष एवं प्रमोद बाकलीवाल मंत्री ने बताया कि तत्पश्चात सामुहिक रूप में 23 कि.ग्राम. का निर्वाण लाडू अतिशयकारी चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान को चढ़ाकर पुण्यार्जन का संचय किया ।

कोटखावदा में मनाया मोक्ष सप्तमी निर्वाणोत्सव

अमन जैन कोटखावदा

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष सप्तमी निवाणोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया प्रचार- प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि अभिषेक, शांति धारा के बाद अष्ट द्रव्य से भगवान पार्श्वनाथ की पूजा अर्चना की गई पूजा के दौरान मोक्ष कल्याणक अर्घ्य के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया सायंकाल 48 दीपकों से महाआरती की गई इस दौरान अध्यक्ष महावीर गंगवाल, महामंत्री दीपक वैद, रितेश वैद, पंकज जैन, चेतन जैन आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

PODDAR INTERNATIONAL COLLEGE

(NAAC B++ Accredited, Affiliated to University to Rajasthan, Jaipur, 2(f) and 12 (b) approvals from UGC

Ref No: PIC/2023/Project/19096 Date: August 22, 2023

ADVERTISEMENT FOR RESEARCH ASSISTANT & FIELD INVESTIGATOR

Applications are invited from eligible and interested candidates for one post of **Research Assistant and Field Investigator** in ICSSR funded project on **"A Study on Integrated Waste Management System in Major Cities of Rajasthan"** at Poddar International College, Mansarovar, Jaipur.

The appointment is **purely on temporary basis** for a period mentioned below. Interested candidates who meet the below mentioned qualifications, may send their CV along with relevant supporting documents via email to **anupam.jain@poddarinstitute.org** by **30.08.2023.** After screening the applications, the eligible and shortlisted candidates shall be called for interview. The date of interview is scheduled on **Friday, 1st Sep. 2023 from 11.00 a.m.** onwards at PIC Mansarovar Campus

Sr. No	Name of Post	Emoluments (Fixed per month)	Qualification
1	**Research Assistant**	**Rs 16,000/-** (As per rules of ICSSR)	**Essential:** Ph.D/M.Phil./Postgraduate in any Social Science discipline with minimum 55% marks. **Term of Employment:** 8 Months **Desirable:** Research / Field Experience among such kind of project
2	**Field Investigator**	**Rs 15,000/-** (As per rules of ICSSR)	**Essential:** Postgraduate in any Social Science discipline with minimum 55% marks **Term of Employment:** 6 Months **Desirable:** Research / Field Experience among such kind of project

(Dr. Anupam Jain) - Project Director

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक बड़ी धूमधाम से मनाया गया। श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य नरेश , जितेंद्र , अनुकंपा प्लेटिना वालों को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात समाज समिति के सदस्यों व सकल दिगम्बर जैन समाज केसर चौराहा के सभी लोगों ने सामुहिक रूप से भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लड्डू चढ़ाया। इस अवसर पर समाज के सुशील बाकलीवाल, अशोक जैन खेड़ली वाले, भूपेंद्र जैन, हेमंत जैन, भागचंद जैन, अरविंद टोंग्या, शालू बाकलीवाल, उषा बड़जात्या, सीमा जैन, सरिता टोंग्या, सुमन जैन आदि उपस्थित रहें।

हीरा पथ मानसरोवर जैन मंदिर में तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याण मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कार्यकारणी समिति द्वाराश्री दिगंबर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में आज 23 वे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याण निर्वाण महोत्सव पर मंदिर जी में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया । ट्रस्टी देवेंद्र छाबड़ा ने बताया कि इस अवसर पर प्रथम अभिषेक एवम शांति धारा करने का सौभाग्य गुलाब चंद, सुभाष चंद जैन गंगवाल एवम निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य श्रीमती शकुंतला देवी, शांति, देवेंद्र, निखिल,तुषार छाबड़ा परिवार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज के सभी श्रावक श्रेष्टि उपस्थित थे।

बारां दिगम्बर जैन समाज ने विशाल लहरिया उत्सव आयोजित किया

बारां. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समाज ने विशाल लहरिया उत्सव आयोजित किया । श्री दिगंबर जैन महासमिति सम्भाग बाराँ अध्यक्ष चन्द्रकला सेठी ने बताया कि 21 अगस्त को समाज स्तरीय लहरिया महोत्सव का कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किया गया। सचिव सरला जैन के अनुसार इसके अतर्गत भुट्टे के मीठे व नमकीन व्यंजन प्रतियोगिता, सावन लहरिया स्पेशल हाऊजी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ललिता टोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमति माणक सेठी एवं अति विशिष्ट अतिथि शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.प्रज्वी जैन ने दीपप्रज्वलन के साथ किया। सभी की मंगलकामना के लिए मंगला चरण की प्रस्तुति मैना बड़जात्या एवं समस्त सदस्यो द्वारा दी गई। सभी अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष मंत्री सहित सभी ने तिलक माला साफा व दुपट्टा पहना कर किया। स्वागत की इसी श्रृंखला में कुछ सदस्यो द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।अध्यक्ष द्वारा शब्द चंदन से सभी आगन्तुक अतिथियों, समाज के सभी सम्मानित महिला वर्ग का स्वागत किया गया। मीठे व नमकीन व्यंजन का सर्व प्रथम निर्णयको द्वारा जायजा लेकर निरीक्षण किया। जज की भूमिका मुख्य अतिथि, एवम मैना बड़जात्या व सुनीता पोरवाल ने निभाई। मुख्य आकर्षण लहरिया प्रतियोगिता रही जिसमे निर्णायक भूमिका विशिष्ठ अतिथि प्रज्वी जैन एवं संगीता बड़जात्या ने निभाई। मीठे व्यंजन में प्रथम रही आशा बड़जात्या,द्वितीय बबिता जैन रही। नमकीन में बाजी मारी प्रवीना पाटनी व द्वितीय स्थान पर संगीता कासलीवाल रही। जूनियर लहरिया केटेगिरी में प्रथम स्थान पर हर्षा टोंग्या द्वितीय ज्योति बाकलीवाल, बेस्ट ड्रेस रिया चांदवाड, बेस्ट प्रजेंटेशन गुंजन जैन रही।

श्री दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथजी सोनियान, खवास जी का रास्ता जयपुर में मोक्ष सप्तमी पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथजी सोनियान, खवास जी का रास्ता जयपुर में मोक्ष सप्तमी (मुकुट सप्तमी) महोत्सव मनाया। अध्यक्ष कमल दीवान, मंत्री संजय गोधा ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथ जी सोनियान, जयपुर में 23 अगस्त, श्रावण शुकला सप्तमी को देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक, मोक्ष सप्तमी (मुकट सप्तमी)पर्व पुर्ण भक्तिभाव पूर्वक अतिउत्साह से मनाया गया। प्रातः 5 बजे अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के नित्याभिषेक, शांतिधारा, पूजा उपरांत निर्वाण लाडू चढाया। प्रातः 8.15 बजे मूलनायक वेदी मे श्री विघ्नहरण विधान पूजा, निर्वाण कांड पाठ वाचन उपरांत निर्वाण लाडू चढाया। बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओ ने अति उल्लास भाव से भाग लेकर मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया।

धुलियान में पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक निर्वाण लाडू चढ़ाया

धुलियान पश्चिमी बंगाल. शाबाश इंडिया। भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर 23 किलोग्राम का निर्वाण लड्डु आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में जिन सहस्त्रनाम महाअर्चना तथा अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भगवान पार्श्वनाथ टोंक की रचना के सामने में धूमधाम के साथ चढ़ाया गया। दोपहर को पार्श्वनाथ चालिसा तथा साय को भक्तामर रिद्धिमन्त्र से दीप प्रज्वलन, प्रवचन, महाआरती तथा एक शाम पारस प्रभु के नाम भक्ती संध्या का भव्य आयोजन रखा गया। - **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

विद्वत्परिषद्-तत्त्वार्थ सूत्र स्वाध्याय वर्ष के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री टोडरमल स्मारक भवन में आध्यात्मिक शिक्षण शिविर में अ.भा.दिग.जैन विद्वत्परिषद् द्वारा घोषित ''तत्त्वार्थ सूत्र वर्ष- 2023-2024'' के संबंध प्रातः तत्त्वार्थसूत्र स्वाध्याय वर्ष के पोस्टर का विमोचन महेन्द्र कुमार कासलीवाल के कर कमलों से राष्ट्रीय कार्यकारिणी की उपस्थिति में किया गया। विद्वत्परिषद् के कार्याध्यक्ष डॉ शांतिकुमार पाटिल ने विद्वत्परिषद् के द्वारा तत्त्वार्थसूत्र स्वाध्याय वर्ष मनाने के विषय में संक्षिप्त चर्चा की। संयोजक डा.प्रवीण जैन ढाईद्वीप ने विस्तार से कार्यक्रम की जानकारी दी। ट्रस्टी परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने तत्त्वार्थसूत्र वर्ष मनाने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संचालन महामंत्री डा.अखिल बंसल ने किया। दोपहर बैठक का आयोजन पण्डित परमात्म प्रकाश जी भारिल्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मुख्य संयोजक डॉ. प्रवीणकुमार जी जैन लिखित कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करेंगे जिसे समिति अन्तिम रूप देगी। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने इस योजना को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे पूर्ण गंभीरता, सावधानी एवं पूरी ताकत से टीम वर्क करने की प्रेरणा दी, एवं पूरे सम्बल का आश्वासन दिया। - **डॉ. अखिल बंसल, महामंत्री**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

इंदौर के दिगंबर जैन मंदिरों में पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। नगर के दिगंबर जैन मंदिरों में जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याण (मोक्ष सप्तमी) के उपलक्ष में विधान पूजन के साथ समारोह पूर्वक निर्वाण लाडू चढाया गया। मुख्य समारोह दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और पांच लश्करी गोठ मोदी जी की नसिया बड़ा गणपति पर आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में उमंग और उत्साह से मनाया गया। इसके अंतर्गत 24 तीर्थंकर प्रतिमाओं को दो चांदी की पालकी सहित 24 पालकियों मैं विराजमान कर पालकी यात्रा निकाली गई जो मोदी जी की नसिया से गोरा कुंड शीतला माता बाजार मल्हारगंज होते हुए वापस मोदी जी की नसिया पहुंची। यात्रा में काफी संख्या में महिला पुरुष सम्मिलित हो जयकारा लगाते, झूमते पैदल चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने श्री जी की आरती उतारी एवं आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मोक्ष रथ का भव्यता के साथ लोकार्पण हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मोक्ष सप्तमी पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण दिवस पर आर .के.कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण पर श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में मोक्ष रथ का भव्यता के साथ लोकार्पण हुआ। डॉ नीरज जैन ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य पदमचंद काला द्वारा विधि-विधान से मंत्रोचार के साथ मुनिससंघ के सानिध्य में सोसाइटी के सदस्यों, समाजजनों द्वारा फीता काटकर मोक्ष रथ का भव्यता के साथ लोकार्पण हुआ। हर्ष के साथ अभिवादन किया। मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सामाजिक सेवा में पुनीत कार्य किया है। आगे भी समाज में परोपकारी सेवा कार्य करने की प्रेरणा दी। सोसाइटी के अध्यक्ष सुरेंद्र छाबड़ा ने सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री बाहुबली जैन सोसाइटी ने सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सोहनलाल गंगवाल को मोक्ष रथ को सोपा।

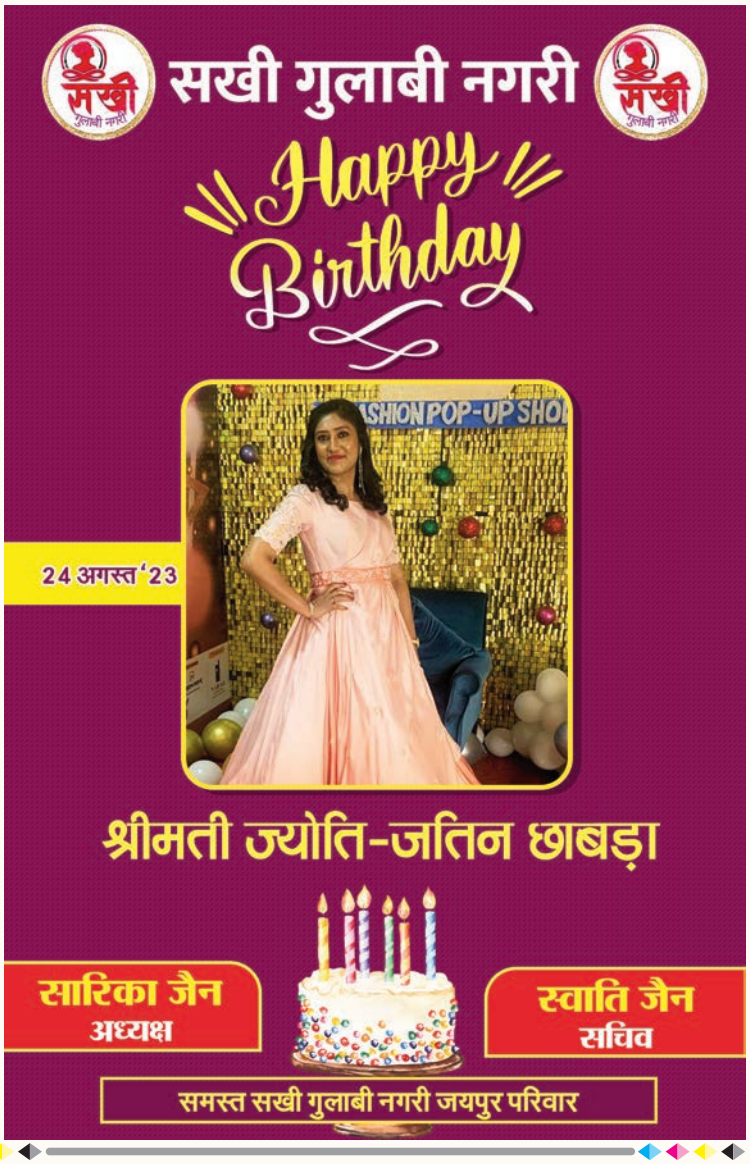

तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया

23 किलो का चढ़ाया निर्वाण लड्डू, 23 परिवारों ने मनाया महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के दक्षिण भाग में स्थित प्रताप नगर सेक्टर 8 टोंक रोड़ के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व श्रद्धा-भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में श्री सम्मेद शिखर की रचना की गई और 23 किलो का सामूहिक निर्वाण लड्डू भगवान पार्श्वनाथ स्वामी को चढ़ाया गया। इससे पूर्व प्रातः 6.15 बजे से भगवान शांतिनाथ स्वामी और भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक एवं आचार्य श्री के मुखारविंद भव्य वृहद शांतिधारा कर अर्घ चढ़ाए गए। इस दौरान आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य और पंडित संदीप जैन सेजल के निर्देशन में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का अष्ट द्रव्यों के साथ मंत्रोच्चारण कर पूजन किया गया। अंत में जयमाला अर्घ और पार्श्वनाथ स्वामी की चालीसा का भजन - नृत्य के साथ गुणगान हुआ और 23 किलो का सामूहिक निर्वाण लड्डू व 23 परिवारों द्वारा सवा - सवा किलो के निर्वाण लड्डू मंदिर में सजी श्री सम्मेद शिखर की संजीव झांकी के मुख्य टोंक पर चढ़ाएं गए। इस दौरान आचार्य सौरभ सागर महाराज ने ना केवल भगवान के मोक्ष कल्याणक का महत्व को बताया बल्कि मोक्ष सप्तमी क्यों मनाई जाती है तीर्थंकर भगवानों का मोक्ष कल्याणक क्यों मनाया जाता है पर अपने विशेष उद्बोधन दिए। वर्षायोग समिति अध्यक्ष कमलेश जैन और मंत्री महेंद्र जैन ने बताया की बुधवार को भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के निर्वाण महोत्सव के अवसर पर प्रातः 7.30 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं पंडित संदीप जैन सेजल के निर्देशन में कल्याण मंदिर विधान पूजन भी किया गया। इस पूजन के पुण्यर्जक अमरचंद, गजेंद्र, हर्षिल बड़जात्या परिवार सहित 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजन में भाग लिया व भावों को धारण कर जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नेवेध, दीप, धूप, फल, अर्घ के साथ जयमाला अर्घ चढ़ा जिनेन्द्र प्रभु की साजों, बाजों और जयकारों के साथ भजन - भक्ति करते हुए पूजन किया। इस पूजन का विशेष आकर्षण वह बालिकाएं रही जिन्होंने मोक्ष सप्तमी का निर्जल उपवास रखकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की आराधना की। पूजन के दौरान प्रातः 8.30 बजे आचार्य सौरभ सागर के मंगल प्रवचन हुए और सायं 6.30 बजे आचार्य श्री के सानिध्य में भगवान शांतिनाथ, भगवान पार्श्वनाथ एवं श्री सम्मेद शिखर की भव्य महामंगल आरती की गई। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने आचार्य सौरभ सागर महाराज की मंगल आरती का भी गुणगान किया।

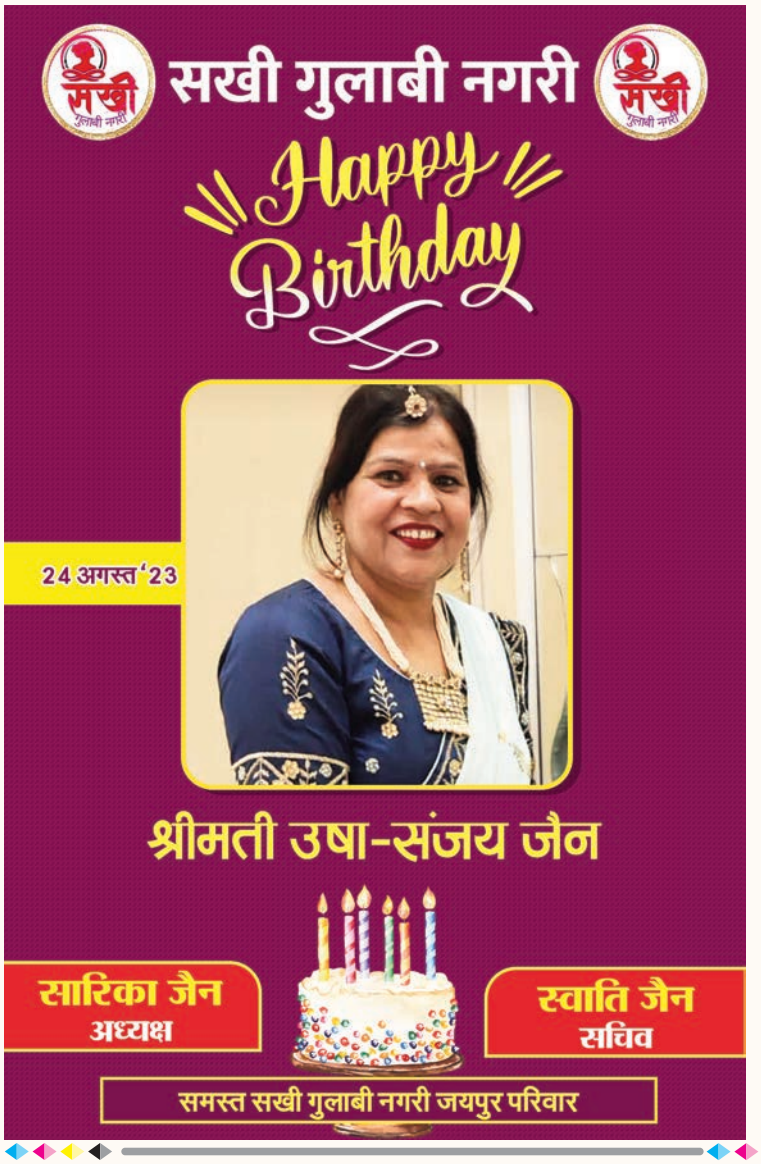

जैन धर्मावलंबियों ने भक्तिभाव से मनाया मोक्ष सप्तमी का त्यौहार

23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर हुए सभी जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन , चढ़ाया निर्वाण लाडू

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्तिभाव से मनाया गया। विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के सभी जैन मंदिरों में प्रातः काल विशेष कलशाभिषेक व शांतिधारा हुई जिसके पश्चात भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। इस विशेष दिवस को मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन छोटी व बड़ी बच्चियां उपवास भी रखती है। मंदिरों में भी विशेष विधान आदि पूजा होती है । प्रदीप बाकलीवाल ने बताया कि शहर के बजाज रोड़ स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर दंग की नसियां में प्रातः विशेष शांतिधारा हुई। निर्वाण लाडू पश्चात कल्याण मंदिर विधान आयोजित किया गया । शशि दीवान ने बताया कि जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां में प्रातः 111 धर्मावलंबियों द्वारा शांतिधारा की गई। इसके पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि शहर के नया मंदिर जी प्रातः निर्वाण लाडू समर्पित किया गया व पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया। सुनील काला ने बताया कि सालासर रोड़ स्थित महावीर स्वामी मंदिर में प्रातः शांतिधारा पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। निकटवर्ती ग्राम खंडेला स्थित श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में विशेष धार्मिक आयोजन हुए । महेश काला लालास ने बताया कि प्रातः सर्वप्रथम ध्वजारोहण हुआ जो शिखरचंद , किशोर कुमार, संजय कुमार, अजय कुमार संगही परिवार द्वारा किया गया। इसके पश्चात श्री दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा पार्श्वनाथ विधान किया गया। दोपहर को विधान के पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया व रथयात्रा निकाली गई । विधान व समस्त मांगलिक क्रियाएं पंडित आशीष जैन शास्त्री सीकर द्वारा करवाई गई।

पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि शहर के नया मंदिर जी प्रात : निर्वाण लाडू समर्पित किया गया व पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया। सुनील काला ने बताया कि सालासर रोड़ स्थित महावीर स्वामी मंदिर में प्रात : शांतिधारा पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया।

श्री दिगंबर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा के कार्यकारी अध्यक्ष बॉबी छाबड़ा व मंत्री सुनील बड़जात्या ने बताया कि मोक्ष सप्तमी के अवसर पर प्रातः मंदिर जी व नसियां जी में विशेष कलशाभिषेक हुए व पूजन आदि मांगलिक क्रियाएं हुई ।

श्री महावीर कॉलेज में टीम स्पिरिट के लिए ट्रेजर हंट का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विद्यार्थियों में सहयोगिता कौशल, साहस और टीम वर्क क्षमता को बढ़ावा देने हेतु श्री महावीर कॉलेज में बुधवार दिनांक 23.8.23 को उत्कृष्ट एवं रोमांचक ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता 3 राउंड में आयोजित की गई - हाइड एंड सीक, ब्रेन फ्रीज और ट्रेजर हंट। प्रतियोगिता के प्रारंभ में सभी प्रतिभागी टीमों को निर्दिष्ट क्षेत्र में कुछ क्लू दिए गए। इसके बाद छात्रों की टीमों को नियमों का पालन करते हुए उन क्लू का पता लगाने के लिए विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ा । प्रतियोगिता में 65 टीमों (5 सदस्य प्रति टीम) ने हिस्सा लिया जिसमें प्रशांत रामचंदानी, गगनजीत सिंह, वैभव जैन (बी कॉम पास कोर्स ''), पुर्विक धूपिया एवं कुश गोदारा (बी कॉम ऑनर्स '') की टीम विजेता रही। कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता द्वारा विजेता टीम को ट्रॉफी एवं गिफ्ट हैंपर्स देकर सम्मानित किया गया। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला ने विजेता टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की।

जयपुर आइडियल सीजन-7 का सेमीफाइनल हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर आइडियल सीजन-7 का सेमीफाइनल आज गोपालपुरा स्थित होटल ग्रांड सफारी में हुआ जिसमें भारत वर्ष के भुवनेश्वर, भोपाल, दिल्ली, रांची, कोटा, अजमेर, जयपुर एवं

अनेक स्थानों 63 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाने के लिये हिस्सा लिया। कार्यक्रम में दिव्यांग चाइल्ड नईम सुनील कुमार ने सभी जजों को अपन शानदार परफॉमेंस देकर सबका मन जीत लिया वही दूसरी ओर प्रतिभागियों ने क्लासिकल के साथ-साथ और भी प्रस्तुतिया देकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई कार्यक्रम संयोजक विनित जैन ने बताया की आज के सेमीफाइनल में प्रो. डॉ. मायारानी टांक, जावेद हुसैन, दीपक एंड्रयूज, मधु भट्ट, रतिका जैन, पंडित सैमुअल अल्फ्रेड, नीलम शर्मा, हिरेन्द्र कुमार भट्ट, नूतन चौहान, मिताली वर्मा जज थे। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म्युजिक लवर एवं समाजसेवी पवन गोयल थे जयपुर आइडियल सीजन-7 का ग्रांड फाइनल 1 अक्टूबर 23 को जयपुर में होटल हॉलिडे इन में होगा । कार्यक्रम का आयोजन विनीत जैन क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है।

भारत विश्व का पहला ऐसा देश है। जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सफल लैंडिंग की।
भारत ISRO के वैज्ञानिको को सलाम करता है।